

परिशिष्ट सारणी 1: राज्य सरकारों के प्रमुख घाटा संकेतक

(राशि करोड़ रुपये में)

वर्ष	सकल राजकोषीय घाटा	राजस्व घाटा	पारंपरिक घाटा	प्राथमिक घाटा	भा.रि.बैंक से राज्यों को निवल ऋण
1	2	3	4	5	6
1990-91	18,787 (3.3)	5,309 (0.9)	-72 (-0.0)	10,132 (1.8)	420 (0.1)
1991-92	18,900 (2.9)	5,651 (0.9)	156 (0.0)	7,956 (1.2)	-340 (-0.1)
1992-93	20,891 (2.8)	5,114 (0.7)	-1,829 (-0.2)	7,681 (1.0)	176 (0.0)
1993-94	20,364 (2.4)	3,872 (0.4)	363 (0.0)	4,564 (0.5)	591 (0.1)
1994-95	27,308 (2.7)	6,706 (0.7)	-4,346 (-0.4)	7,895 (0.8)	48 (0.0)
1995-96	30,870 (2.6)	8,620 (0.7)	-2,680 (-0.2)	9,031 (0.8)	16 (0.0)
1996-97	36,561 (2.7)	16,878 (1.2)	7,202 (0.5)	11,175 (0.8)	898 (0.1)
1997-98	43,474 (2.8)	17,492 (1.1)	-1,803 (-0.1)	13,675 (0.9)	1,543 (0.1)
1998-99	73,295 (4.2)	44,462 (2.5)	3,268 (0.2)	37,854 (2.2)	5,579 (0.3)
1999-00	90,099 (4.6)	54,548 (2.8)	3,125 (0.2)	45,458 (2.3)	1,312 (0.1)
2000-01	87,923 (4.2)	55,316 (2.6)	-2,379 (-0.1)	36,937 (1.8)	-1,092 (-0.1)
2001-02	94,260 (4.1)	60,398 (2.7)	3,545 (0.2)	32,665 (1.4)	3,451 (0.2)
2002-03	99,726 (4.1)	57,179 (2.3)	-4,291 (-0.2)	30,699 (1.3)	-3,100 (-0.1)
2003-04	1,20,631 (4.4)	63,407 (2.3)	-526 (-0.0)	40,235 (1.5)	293 (0.0)
2004-05	1,07,774 (3.3)	39,158 (1.2)	-10,232 (-0.3)	21,353 (0.7)	-2,705 (-0.1)
2005-06	90,084 (2.4)	7,013 (0.2)	-33,947 (-0.9)	6,060 (0.2)	2,425 (0.1)
2006-07	77,508 (1.8)	-24,857 (-0.6)	-16,324 (-0.4)	-15,672 (-0.4)	640 (0.0)
2007-08	75,455 (1.5)	-42,943 (-0.9)	-13,410 (-0.3)	-24,376 (-0.5)	1,140 (0.0)
2008-09 (बअ)	1,12,653 (2.0)	-28,426 (-0.5)	-2,358 (-0.0)	4,270 (0.1)	-
2008-09 (संअ)	1,46,349 (2.6)	-10,701 (-0.2)	16,357 (0.3)	40,128 (0.7)	602 (0.0)
2009-10 (बअ)	1,99,510 (3.2)	32,295 (0.5)	25,721 (0.4)	83,083 (1.3)	-

संअ: संशोधित अनुमान.

बअ: बजट अनुमान.

—: उपलब्ध नहीं है।

- नोट :** 1. ऋणात्मक चिह्न (-) घाटा संकेतकों में अधिशेष दर्शाता है।
2. पारंपरिक घाटा कुल संवितरणों और कुल प्राप्तियों के बीच अंतर दर्शाता है। कुल प्राप्तियों में शामिल हैं: (i) राजस्व प्राप्तियां, (ii), पूंजीगत प्राप्तियां, अर्थोपाय अग्रिम और भारतीय रिजर्व बैंक से ओवरड्राफ्ट को छोड़कर, और (iii) लोक लेखा के अंतर्गत शुद्ध प्राप्तियां, नकद शेष निवेश खाता से निकासी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ जमा को छोड़कर। कुल संवितरणों में शामिल हैं: (i) राजस्व व्यय और (ii) पूंजीगत संवितरण, अर्थोपाय अग्रिम और भारतीय रिजर्व बैंक से लिए गए ओवरड्राफ्ट को चुकौती को छोड़कर।
3. राजस्व घाटा राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर है।
4. सकल राजकोषीय घाटा कुल संवितरण (ऋण चुकौतियों को घटाकर) से राजस्व प्राप्तियों, गैर ऋण पूंजी प्राप्तियों तथा ऋण और अग्रिम की वसूली को घटाकर है।
5. प्राथमिक घाटा सकल राजकोषीय घाटा से ब्याज भुगतान को घटाकर है।
6. कोष्ठक के आंकड़े सकल देशी उत्पाद के प्रतिशत हैं।
7. 1990-91 से 2007-08 तक के जम्मू और कश्मीर के आंकड़े तथा 2001-02 से 2007-08 तक के झारखंड के आंकड़े संशोधित अनुमानों से संबंधित हैं।
8. राज्य सरकारों को रिजर्व बैंक का शुद्ध ऋण रिजर्व बैंक के पास उनकी वृद्धिशील जमा को घटाकर रिजर्व बैंक द्वारा उन्हें दिए गए ऋण और अग्रिम में घटबढ़ को संदर्भित करता है।
- स्रोत :** राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज और रिजर्व बैंक के अभिलेख।